भारती कॉलेज,दिल्ली विश्वविद्यालय

अकादमिक सत्र : 2023-2024

पाठ्यक्रम रूपरेखा : (अगस्त -दिसम्बर 2023)

शिक्षक : डॉ. अनीता

पाठ्यक्रम :बी. ए. हिंदी (ऑनर्स)

सत्र/सेमेस्टर :5 (अगस्त - दिसम्बर 2023)

पेपर :पाश्चात्य काव्यशास्त्र

कक्षा (प्रति सप्ताह) : 5

पाठ्यक्रम

इकाई 1 :

क) अरस्तू- अनुकरण सम्बन्धी मान्यता ,विरेचन ,त्रासदी विवेचन
ख) लोंजाइनस- उदात्त सम्बन्धी मान्यता

इकाई 2:

क) कॉलरिज- कविता और काव्यभाषा सम्बन्धी मान्यता , कल्पना सिद्धांत
ख) टी एस इलिएट- परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा , निर्वैयक्तिक काव्य का सिद्धांत ,वस्तुनिष्ठ सह-संबंध

इकाई 3 :सामान्य परिचय – स्वच्छंदतावाद,यथार्थवाद,संरचनावाद,उत्तर-संरचनावाद

इकाई 4: बिम्ब ,प्रतीक , विसंगति , विडंबना ,फैंटसी ,मिथक

पाठ्यक्रम विवरण

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के बादविद्यार्थी काव्यशास्त्र की पश्चिमी परंपरा और विश्व स्तर पर उसकी भूमिका से अवगत हो सकेंगें। चिंतन के नए आयाम और आधुनिक विमर्शों के संदर्भ में साहित्य के मूल्यांकन की कसौटियों को परखने की दृष्टि विकसित कर सकेंगे।और सहित्य समीक्षा की नई अवधारणाओं को समझ कर सहित्य की प्रसंगिकता को भी रेखांकित कर पाएंगे।

शिक्षण समय : 16 सप्ताह (लगभग)

कक्षाएं :विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार सप्ताह में 5 दिन कॉलेज के समय सारणी के अनुसार कक्षाएं आयोजित की जाएगी। विद्यार्थियों को विषय से सम्बंधित मूल और प्रमाणिक सहायक ग्रंथों की जानकारी देने के साथ-साथ विषय से सम्बंधित भारतीय चिंतन की रचनाओं को भी समझने की लिए मार्गदर्शन दिया जाएगा ।

इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :

सप्ताह	**विषय**
सप्ताह 1	पश्चिमी काव्यशास्त्र की पृष्ठभूमि और प्लेटो का सामान्य परिचय
सप्ताह 2	अरस्तू- अनुकरण सम्बन्धी मान्यता
सप्ताह 3	अरस्तू-विरेचन और त्रासदी विवेचन
सप्ताह 4	लोंजाइनस - उदात्त सम्बन्धी मान्यता
सप्ताह 5	कालरिज- कविता और काव्यभाषा सम्बंधित मान्यता
सप्ताह 6	कालरिज- कविता और कल्पना का सम्बन्ध और कल्पना सिद्धांत
सप्ताह 7	टी एस इलिएट- परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा
सप्ताह 8	टी एस इलिएट- निर्वैक्तिक काव्य का सिद्धांत ,वस्तुनिष्ठ सह-संबंध
सप्ताह 9	स्वच्छंदतावाद
सप्ताह 10	यथार्थवाद
सप्ताह 11	संरचनावाद,उत्तर-संरचनावाद
सप्ताह 12	बिम्ब और प्रतीक
सप्ताह 13	विसंगति , विडंबना
सप्ताह 14	फैंटसी ,मिथक
सप्ताह 15	पुनरावृति एवं छात्रों द्वारा जमा किए गए असाइंमेंट के सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों पर चर्चा तथा मुख्य

	परीक्षा के लिए उपयोगी सुझावों एवं मार्गदर्शन
सप्ताह 16	पुनरावृति एवं छात्रों द्वारा जमा किए गए असाइंमेंट के सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों पर चर्चा तथा मुख्य परीक्षा के लिए उपयोगी सुझावों एवं मार्गदर्शन

सम्बंधित पुस्तकें :

- पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्र नाथ शर्मा
- साहित्य सिद्धांत – रेनेवेलक एवं ऑस्टिन वारेन
- साहित्य कोश – संपादक धीरेन्द्र वर्मा
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र- संपादक नगेन्द्र

नोट –1-प्रत्येक यूनिट में से एक असाइनमेंट प्रत्येक छात्र से लिया जाएगा और उस पर चर्चा के बाद दो असाइनमेंट का नंबर आंतरिक मूल्याङ्कन के लिये लगाया जाएगा |